M 3728

Reg. No. : .....

Name : .....

DON BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

II Semester B.A./B.Sc./B.Com./B.B.A./B.B.A. T.T.M./B.B.M./B.C.A./B.S.W. Degree (CCSS – Reg./Supple./Improv.) Examination, May 2013

COMMON COURSE IN HINDI (For B.A./B.Sc.)

2A08 HIN : Prose and One Act Play for Communication Skill

Time : 3 Hours | Max. Weightage : 30

निर्देश : किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(Weightage 2×3=6)**

1. तारागणों को देखते-देखते भारतवर्ष अब समुद्र में गिरा कि गिरा। एक कदम और, और धम्म से नीचे !

2. 'जो लोग बाहर से विशुद्ध खद्दरदारी होते हैं, वे भी विदेशी रेशम के थान खरीदकर रखते हैं, इसीसे तो देश की उन्नति नहीं होती।'

3. हिमाचल प्रदेश के पहाडी जब नौकरीयों और व्यापार में पंजाबियों का मुकाबला नहीं कर पाते, तो वह उन्हें अपना शोषक घोषित कर देते हैं।

4. बाहर से यह एक शान्त एवं पुराना शहर लगता है, मगर इसकी आन्तरिकता में हर क्षण एक न एक घटना घटित होती रहती है।

5. आकार-प्रकार, वेश-भूषा सब मिलकर इन दूर-देशियों को यंत्रचालित पुतलों की भूमिका दे देते हैं।

निर्देश : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु-उत्तर लिखिए : **(Weightage 2×3=6)**

6. 'आचरण की सभ्यता' निबंध के द्वारा लेखक भारतीयों कों कौन-सा संदेश देना चाहते हैं ?

7. चीनी फेरीवाले के साथ महादेवी वर्मा का परिचय किस प्रकार हुआ ?

P.T.O.

8. 'मेरी हिमाचल यात्रा' में प्रस्तुत कुछ ऐतिहासिक स्मृतियों का उल्लेख कीजिए।

9. 'इलाहाबाद साहित्यकारों का ट्रेनिंग सेन्टर है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

10. गिरहकटों के गिरोह में चीनी भाई के जीवन का वर्णन कीजिए।

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर लिखिए : **(Weightage 4×1=4)**

11. चीनी फेरीवाले की करण कथा का वर्णन अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

12. इलाहाबाद की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक और सामाजिक परंपराओं का उल्लेख कीजिए।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढकर **प्रत्येक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage1×1 bunch=1)**

13. ''जहाँगीर के अंतिम शासनकाल में नाहन राजधानी बसी थी, इस प्रकार वह अभी सवा तीन सौ बरस पुरानी नगरी थी। पहाड न होने पर भी इसके बाज़ार काफी घने और सैकडों दुकानों से भरे हैं।''

अ) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ का है ?

आ) रचनाकार का नाम क्या है ?

इ) नाहन नगर को समृद्ध करने में किसने हाथ बँटाया था ?

ई) नाहन की भाषा कौन-सी है ?

निर्देश : किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(Weightage2×3=6)**

14. आप अपने को केवल शासक मानने लगे हैं। आप भूल गये हैं कि जन-राज में शासक कोई नहीं होता, सब सेवक होते हैं।

15. अरे, अपने सारे सहयोगियों की हत्या का कलंक अपने माथे पर लगाकर तू कायरों की भांति अपने प्राण बचाता फिरता है। तुझे लज्जा नहीं आती।

16. जब तक सरकार और उसके अधिकारी ठीक आचरण नहीं करेंगे, तब तक जनता प्रदर्शन करती ही रहेगी, कानून हाथ में लेती ही रहेगी।

17. मैं इन संहार के दृश्यों को भी शान्त भाव से सह गया, क्योंकि न्याय के पथ पर जो मिले, सब स्वीकार है।

18. सच है, कायर और पराजित ही अन्त में धर्म का स्मरण कर लेते हैं।

निर्देश : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(Weightage 2×3=6)**

19. 'सीमारेखा' एकांकी में किन-किन सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है ?

20. 'महाभारत की एक सांझ' एकांकी के आधार पर दुर्योधन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

21. 'सीमारेखा' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

22. 'सीमारेखा' एकांकी के मुख्य कथापात्र कौन-कौन से हैं ?

23. आपकी राय में न्याय युधिष्ठिर के पक्ष में है या दुर्योधन के पक्ष में ? क्यों ?

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढकर **प्रत्येक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage1×1 bunch=1)**

24. ''ले लो राक्षसों ! यदि तुम्हारी हिंसा इसी से तृप्त नहीं होती है तो ले लो, मेरे प्राण भी ले लो ! जहाँ मैं जीवन-भर प्रयास करके भी अपनी एक भी घडी शान्ति से न बिता सका, जब मैं अपनी एक भी कामना को फलते न देख सका, तो अब इन प्राणों को रखकर भी क्या करूँगा !''

अ) प्रस्तुत वाक्य किस रचना से उद्धृत हैं ?

आ) रचनाकार कौन हैं ?

इ) यह किस कथापत्र का कथन हैं ?

ई) वक्त यहाँ किन्हें राक्षस पुकारता है ?